विश्व पर्यावरण दिवस–2025

प्लास्टिक प्रदूषण का अन्त

भा.वा.अ.शि.प.–पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज एवं राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत के संयुक्त तत्वावधान में **''प्लास्टिक प्रदूषण का अन्त''** विषय पर विश्व पर्यावरण दिवस का आयोजन दिनांक 05.06.2025 को किया गया। कार्यक्रम के आरम्भ में डॉ. सन्तोष कुमार शुक्ला, कार्यकारी सचिव, नासी, प्रयागराज द्वारा मंचासीन अधिकारियों का अभिनन्दन करते हुए स्वागत भाषण प्रस्तुत किया गया। उन्होने बताया कि पर्यावरण संरक्षण के लिए भारतवर्ष की सबसे पुरानी विज्ञान अकादमी विभिन्न क्रियाकलापों के माध्यम से संकल्पित है। छात्र–छात्राओं हेतु आयोजित दस दिवसीय समर स्कूल के उद्घाटन दिवस में नगर के विभिन्न विद्यालयों के 100 से अधिक शिक्षक एवं विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। मुख्य अतिथि डॉ. संजय सिंह, केन्द्र प्रमुख, ई.आर.सी. ने बताया कि प्लास्टिक प्रदूषण पर्यावरण के साथ ही मानव स्वास्थ्य के लिए भी घातक है। प्लास्टिक उत्पादन, उपयोग एवं निस्तारण में गम्भीर पर्यावरणीय क्षति होती है। अतः प्लास्टिक को कम से कम उपयोग की जीवन शैली और पुनः उपयोग का चक्र अपना कर इससे निजात पाया जा सकता है। इसी क्रम में उन्होने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस हमें यह याद दिलाता है कि पृथ्वी हमारी साझा जिम्मेदारी है तथा इसका संरक्षण ही हमारे भविष्य की गारन्टी है। कार्यक्रम में बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय से मुख्य वक्ता, डॉ. पी.सी. अभिलाष ने अपने व्याख्यान में कहा कि विश्व में प्राकृतिक संसाधनों पर अत्यधिक दबाव के कारण हमारी जैव विविधता के क्षति की गति बहुत ज्यादा हो गयी है। इसलिए जैव विविधता का संरक्षण बहुत आवश्यक है। प्रो. एस.एम. प्रसाद, सेवानिवृत्त विभागाध्यक्ष, वनस्पति विज्ञान विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय द्वारा प्लास्टिक उन्मूलन तथा पर्यावरण संरक्षण पर अपने विचार साझा किये। यह कार्यक्रम नासी द्वारा समर स्कूल के अन्तर्गत आयोजित किया गया, जिसके समन्वयक, प्रो. स्वप्निल श्रीवास्तव ने कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी दिया। इसी क्रम में लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रो. मुरली मनोहर वर्मा द्वारा ब्रम्हाण्ड की संरचना और उसका मूल्यांकन विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। डॉ. जी.एस. तोमर, अध्यक्ष, विश्व आयुर्वेद मिशन द्वारा हरित योग एवं पर्यावरण विषय पर विस्तृत व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। उक्त अवसर पर उपस्थित प्रतिभागियों से आह्वान किया गया कि वे पर्यावरण की रक्षा के लिए विभिन्न छोटे–छोटे प्रभावी कदम यथा पौधे लगाना, कचरा प्रबन्धन में सहयोग देना तथा जल व ऊर्जा की बचत करना आदि को उठाने का प्रयास करें, जिससे पर्यावरण में सुधार लाया जा सके। कार्यक्रम में उपस्थित विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों के लिए पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज द्वारा संचालित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें युवा छात्रों ने बढ़–चढ़कर प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में विजेता प्रतिभागियों को प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं सांत्वना पुरस्कार क्रमशः रागिनी यादव–खेलगांव पब्लिक स्कूल, अनिकेत अग्रवाल–महर्षि पतंजलि विद्या मन्दिर, अंकुर मिश्रा–ऋषिकुल पतंजलि विद्या मन्दिर, अनमोल जायसवाल–टैगोर पब्लिक स्कूल, अभिजीत मिश्रा–श्री महाप्रभु पब्लिक स्कूल को दिया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन रश्मि मिश्रा द्वारा किया गया। कार्यक्रम में ई.आर.सी. की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर, श्री आलोक यादव, डॉ. कुमुद दूबे, अनुभा श्रीवास्तव तथा डॉ. एस.डी. शुक्ला, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी, श्री रतन कुमार गुप्ता, तकनीकी अधिकारी, श्री धर्मेन्द्र कुमार, तकनीकी सहायक के साथ शोध अध्येता सत्यव्रत सिंह, प्रतीक सिंह एवं प्रगति यादव आदि उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी,भारत
The National Academy of Sciences,India
&
ICFRE-Eco-Rehabilitation Centre, Prayagraj
Celebration of
विश्व पर्यावरण दिवस ~ WORLD ENVIRONMENT DAY
Chief Guest
Dr. Sanjay Singh
Keynote Speaker
Dr. P.C.Abhilash
THE NATIONAL ACADEMY OF SCIENCES INDIA
BY HONOURABLE
PROF. MURLI MANOHAR JOSHI
PROF. M.G.K. MENON
PROF. H.C. KHARE
PROF. J.P. MITTAL
PROF. PRAMOD TANDON

राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी,भारत
The National Academy of Sciences,India
Hon'ble President Of India
Dr. A.P.J. Abdul Kalam
Inaugurating The Platinum
Jubilee Celebrations Of
The Academy On October
6, 2005 At Allahabad
THE NATIONAL ACADEMY OF SCIENCES INDIA
राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी
1930
भारत

राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी,भारत
The National Academy of Sciences,India
THE NATIONAL ACADEMY OF SCIENCES INDIA
राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी
ESTD.
1930
भारत
PROF. MURLI MANOHAR JOSHI

राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी,भारत
The National Academy of Sciences,India
&
ICFRE-Eco-Rehabilitation Centre, Prayagraj
Celebration of
विश्व पर्यावरण दिवस – WORLD ENVIRONMENT DAY
(THEME: END PLASTIC POLLUTION)
onset of Summer School 2025
THE NATIONAL ACADEMY OF SCIENCES

राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी,भारत
The National Academy of Sciences,India
ICFRE-Eco-Rehabilitation Centre, Prayagraj
THE NATIONAL ACADEMY OF SCIENCES
INDIA
PROF. M.G.K. MENON
THE NATIONAL ACADEMY OF SCIENCES
INDIA

मुंबई - शुक्रवार, 06 जून, 2025
देश/विदेश
मंत्र भारत

विश्व पर्यावरण दिवस

प्लास्टिक प्रदूषण के अन्त का आह्वान

हरित योग वर्तमान परिदृश्य में स्वस्थ शरीर, स्वस्थ मस्तिष्क एवं स्वस्थ पर्यावरण के लिए संजीवनी - डॉ जी एस तोमर

प्रयागराज। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत एवं भा.वा.अ.शि.प.-पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 05.06.2025 को 'प्लास्टिक प्रदूषण का अन्त' विषय पर एक दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के आरम्भ में डॉ. सन्तोष कुमार शुक्ला, कार्यकारी सचिव, नासी, प्रयागराज द्वारा मंचासीन अधिकारियों का अभिनन्दन करते हुए स्वागत भाषण प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में नगर के विभिन्न विद्यालयों के 100 से अधिक शिक्षक एवं विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। मुख्य अतिथि डॉ. संजय सिंह, प्रमुख, ई.आर.सी. ने बताया कि प्लास्टिक प्रदूषण पर्यावरण के

प्रत्येक हिस्से के साथ ही यह मानव स्वास्थ्य के लिए भी घातक है। प्लास्टिक उत्पादन, उपयोग एवं निस्तारण में गम्भीर पर्यावरणीय क्षति होती है। अतः प्लास्टिक प्रदूषण को, कम से कम उपयोग की जीवन शैली और पुनः उपयोग का चक्र अपना कर रोका जाना चाहिए। विश्व आयुर्वेद मिशन के अध्यक्ष डॉ. जी. एस. तोमर, द्वारा हरित योग विषय पर विस्तृत व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। उक्त अवसर पर उपस्थित प्रतिभागियों से आह्वान किया गया कि वे पर्यावरण की रक्षा के लिए विभिन्न छोटे-छोटे प्रभावी कदम यथा पौधे लगाना, कचरा प्रबन्धन में सहयोग देना तथा जल व ऊर्जा की बचत करना आदि को उठाने का प्रयास करें, जिससे पर्यावरण में सुधार लाया जा सके। डॉ तोमर ने कहा हरित योग वर्तमान परिदृश्य में स्वस्थ शरीर, स्वस्थ मस्तिष्क एवं स्वस्थ पर्यावरण के लिए संजीवनी है। उन्होंने कहा एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य तभी संभव है जब हम मानव, जीव जन्तु एवं पर्यावरण तीनों की चिंता एक साथ करेंगे। इस अवसर पर वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ अनीता तोमर, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय के डॉ. पी. सी. अभिलाष, प्रो. स्वप्निल श्रीवास्तव, इलाहाबाद विश्वविद्यालय के प्रो. एस. एम. प्रसाद, लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रो. मुरली मनोहर वर्मा, आलोक यादव, डॉ. कुमुद दूबे, डॉ. अनुभा श्रीवास्तव, स.मु.त.अ.-डॉ. एस. डी. शुक्ला, त.अ. रतन गुप्ता, धर्मेन्द्र कुमार के साथ शोध अध्येता-सत्यव्रत सिंह, प्रतीक सिंह एवं प्रगति यादव आदि उपस्थित रहे।

सिंगल यूज प्लास्टिकका न करें उपयोग, पौधारोपणकर बच्चोंको बतायी पेड़ोंकी महत्ता

विश्व पर्यावरण दिवस पर गुरुवार को सरकारी कार्यालयों, शैक्षिक संस्थानों, राजनीतिक एवं सामाजिक संघटनों की ओर से पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। भविष्य के खतरे के प्रति आगाह करते हुए लोगों को सिंगल यूज प्लास्टिक के इस्तेमाल से बचने की अपील की। गोष्ठियों में जलवायु परिवर्तन के गंभीर परिणामों पर चर्चा करते हुए इससे निपटने के उपायों की जानकारी भी दी गयी। राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत एवं भा.वा.अ.शि.प.-पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र के संयुक्त तत्वावधान 'प्लास्टिक प्रदूषण का अन्त' विषय पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नगर के विभिन्न विद्यालयों के १०० से अधिक शिक्षक एवं विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। मुख्य अतिथि प्रमुख ई.आर.सी. डा. संजय सिंह ने बताया कि प्लास्टिक प्रदूषण पर्यावरण के प्रत्येक हिस्से के साथ ही यह मानव स्वास्थ्य के लिए भी घातक है। प्लास्टिक उत्पादन, उपयोग एवं निस्तारण में गम्भीर पर्यावरणीय क्षति होती है। अत: प्लास्टिक प्रदूषण को, कम से कम उपयोग की जीवन शैली और पुन: उपयोग का चक्र अपना कर रोका जाना चाहिए। उन्होने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस हमें यह याद दिलाता है कि पृथ्वी हमारी साझा जिम्मेदारी है एवं इसका संरक्षण ही हमारे भविष्य की गारन्टी है। बीएचयू मुख्य वक्ता डा. पीसी अभिलाष ने कहा कि विश्व में प्राकृतिक संसाधनों पर अत्यधिक दबाव के कारण हमारी जैव विविधता के क्षति की गति बहुत ज्यादा हो गई है। इविवि के वनस्पति विभाग के पूर्व विधागाध्यक्ष प्रो. एसएम प्रसाद एस. एम. प्रसाद, प्रो. स्वप्निल श्रीवास्तव,लखनऊ विवि के प्रो. मुरली मनोहर वर्मा एवं कार्यकारी सचिव डा. सन्तोष कुमार शुक्ला ने विस्तृत जानकारी दिया। इस क्रम में इलाहाबाद संग्रहालय में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर संग्रहालय परिसर में छायादार एवं फलदार पांच पौधरोपण बच्चों के साथ किया गया। उप संग्रहपाल डा. राजेश मिश्र ने बच्चों को पेड़ो की महत्ता बताते हुये कहा कि संप्रति बढ़ती पर्यावरणीय चुनौतियां इस बात का आगाह करती है कि यह समय संभलने का है अगर हम विकास की अंधी चुनौतियों में पर्यावरण को दरकिनार किए तो परिस्थिति विकट होगी। इसलिए हम सब का दायित्व है कि अधिकाधिक न केवल वृक्षारोपण करें बल्कि बड़े होने तक उसकी देखभाल भी करें। इस अवसर पर डा. अजय कुमार, डा. वामन ए. वानखेड़े, सुश्री श्वेता सिंह, सुनील कुमार पाण्डेय, सहित संग्रहालय के सभी अधिकारी उपस्थित रहे।विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आज प्रयागराज के रोशन बाग स्थित ऐतिहासिक मंसूर अली पार्क में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस नेता इरशाद उल्ला के नेतृत्व में 'आपरेशन सिंदूर' का नेतृत्व करने वाली कर्नल सोफिया कुरैशी के नाम पर एक पौधाका रोपण कर उनकी असाधारण बहादुरी को सराहा। इस अवसर पर प्रमुख रूप से राना परवीन, नफीस कुरैशी, मोहम्मद शारिक, मोहम्मद अल्तमश, मोहम्मद तबरेज और मोहम्मद कोनेन सहित अन्य कांग्रेसी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अग्निशमन मानकोंका पालन न करनेपर छह कोचिंग संचालकोंको नोटिस

संचालकोंको तीन दिनका दिया समय, एक हफ्ते चलेगा चेकिंग अभियान

शहर के कोचिंग सेंटर में आग से बचने के इंतजाम को लेकर गुरुवार कर फोटो ग्राफी कराई गई है। वहीं, मुख्य अग्निशमन अधिकारी डॉ. आरके के दौरान अग्निशन यंत्र, आपातकालीन रास्ता, एनओसी अप्रूवल, अग्निशन

विश्व पर्यावरण दिवस : प्लास्टिक प्रदूषण के अन्त का आह्वान

इलाहाबाद एक्सप्रेस

प्रयागराज। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत एवं भा.वा.अ.शि.प.-पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 05.06.2025 को 'प्लास्टिक प्रदूषण का अन्त' विषय पर एक दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के आरम्भ में डॉ. सन्तोष कुमार शुक्ला, कार्यकारी सचिव, नासी, प्रयागराज द्वारा मंचासीन अधिकारियों का अभिनन्दन करते हुए स्वागत भाषण प्रस्तुत किया गया। उन्होने बताया कि पर्यावरण संरक्षण के लिए भारतवर्ष की सबसे पुरानी विज्ञान अकादमी विभिन्न क्रियाकलापों के माध्यम से संकल्पित है। कार्यक्रम में नगर के विभिन्न विद्यालयों के 100 से अधिक शिक्षक एवं विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। मुख्य अतिथि डॉ. संजय सिंह, प्रमुख, ई.आर.सी. ने बताया कि प्लास्टिक प्रदूषण पर्यावरण के प्रत्येक हिस्से के साथ ही यह मानव स्वास्थ्य के लिए भी घातक है। प्लास्टिक उत्पादन, उपयोग एवं निस्तारण में गम्भीर पर्यावरणीय क्षति होती है। अतः प्लास्टिक प्रदूषण को, कम से कम उपयोग की जीवन शैली और पुनः उपयोग का चक्र अपना कर रोका जाना चाहिए। इसी क्रम में उन्होने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस हमें यह याद दिलाता है कि पृथ्वी हमारी साझा जिम्मेदारी है तथा इसका संरक्षण ही हमारे भविष्य की गारन्टी है। श्रीवास्तव ने कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी दिया। इसी क्रम लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रो. मुरली मनोहर वर्मा द्वारा ब्रम्हांड की संरचना और

कार्यक्रम में बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय से मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. पी. सी. अभिलाष ने कार्यक्रम विषय पर अपने व्याख्यान में कहा कि विश्व में प्राकृतिक संसाधनों पर अत्यधिक दबाव के कारण हमारी जैव विविधता के क्षति की गति बहुत ज्यादा हो गई है। इसलिए जैव विविधता का संरक्षण बहुत आवश्यक है। प्रो. एस. एम. प्रसाद, सेवानिवृत्त विभागाध्यक्ष, वनस्पति विज्ञान विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय द्वारा प्लास्टिक उनमूलन तथा पर्यावरण संरक्षण पर अपने विचार साझा किये। यह कार्यक्रम नासी द्वारा समर स्कूल के अंतर्गत आयोजित किया गया, जिसके समन्वयक, प्रो. स्वप्निल उसका मूल्यांकन विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। डॉ. जी. एस. तोमर, अध्यक्ष, विश्व आयुर्वेद मिशन द्वारा हरित योग एवं पर्यावरण विषय पर विस्तृत व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। उक्त अवसर पर उपस्थित प्रतिभागियों से आह्वान किया गया कि वे पर्यावरण की रक्षा के लिए विभिन्न छोटे-छोटे प्रभावी कदम यथा पौधे लगाना, कचरा प्रबन्धन में सहयोग देना तथा जल व ऊर्जा की बचत करना आदि को उठाने का प्रयास करें, जिससे पर्यावरण में सुधार लाया जा सके। कार्यक्रम में उपस्थित विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों के लिए पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज द्वारा संचालित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें युवा छात्रों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। प्रतियोगिता में विजेता प्रतिभागियों को प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं सांत्वना पुरस्कार क्रमशः रागिनी यादव-खेलगांव पब्लिक स्कूल, अनिकेत अग्रवाल-महर्षि पतंजलि विद्या मन्दिर, अंकुर मिश्रा-ऋषिकुल पतंजलि विद्या मन्दिर, अनमोल जायसवाल-टैगोर पब्लिक स्कूल, अभिजीत मिश्रा-श्री महाप्रभु पब्लिक स्कूल को दिया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन रश्मि मिश्रा द्वारा किया गया।कार्यक्रम में ई.आर.सी. की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर, आलोक यादव, डॉ. कुमुद दूबे, डॉ. अनुभा श्रीवास्तव, डॉ. एस. डी. शुक्ला, रतन गुप्ता, धर्मेन्द्र कुमार के साथ शोध अध्येता- सत्यव्रत सिंह, प्रतीक सिंह एवं प्रगति यादव आदि उपस्थित रहे।

विश्व पर्यावरण दिवसः प्लास्टिक प्रदूषण के अन्त का किया आह्वान

संगम शपथ संवाददाता

प्रयागराज। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत एवं भा.वा.अ.शि.प.-पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 05.06.2025 को 'प्लास्टिक प्रदूषण का अन्त' विषय पर एक दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के आरम्भ में डॉ. सन्तोष कुमार शुक्ला, कार्यकारी सचिव, नासी, प्रयागराज द्वारा मंचासीन अधिकारियों का अभिनन्दन करते हुए स्वागत भाषण प्रस्तुत किया गया। उन्होने बताया कि पर्यावरण संरक्षण के लिए भारतवर्ष की सबसे पुरानी विज्ञान अकादमी विभिन्न क्रियाकलापों के माध्यम से संकल्पित है। कार्यक्रम में नगर के विभिन्न विद्यालयों के 100 से अधिक शिक्षक एवं विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। मुख्य अतिथि डॉ. संजय सिंह, प्रमुख, ई.आर.सी. ने बताया कि प्लास्टिक प्रदूषण पर्यावरण के प्रत्येक हिस्से के साथ ही यह मानव स्वास्थ्य के लिए भी घातक है। प्लास्टिक उत्पादन, उपयोग एवं निस्तारण में गम्भीर पर्यावरणीय क्षति होती है। अतः प्लास्टिक प्रदूषण को, कम से कम उपयोग की जीवन शैली और पुनः उपयोग का चक्र अपना कर रोका जाना चाहिए। इसी क्रम में उन्होने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस हमें यह याद दिलाता है कि पृथ्वी हमारी साझा जिम्मेदारी है तथा इसका संरक्षण ही हमारे भविष्य की गारन्टी है। कार्यक्रम में बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय से मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. पी. सी. अभिलाष ने कार्यक्रम विषय पर अपने व्याख्यान में कहा कि विश्व में प्राकृतिक संसाधनों पर अत्यधिक दबाव के कारण हमारी जैव विविधता के क्षति की गति बहुत ज्यादा हो गई है। इसलिए जैव विविधता का संरक्षण बहुत आवश्यक है। प्रो. एस. एम. प्रसाद, सेवानिवृत्त विभागाध्यक्ष, वनस्पति विज्ञान विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय द्वारा प्लास्टिक उनमूलन तथा पर्यावरण संरक्षण पर अपने विचार साझा किये। यह कार्यक्रम नासी द्वारा समर स्कूल के अंतर्गत आयोजित किया गया, जिसके समन्वयक, प्रो. स्वप्निल श्रीवास्तव ने कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी दिया। इसी क्रम लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रो. मुरली मनोहर वर्मा द्वारा ब्रम्हांड की संरचना और उसका मूल्यांकन विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। डॉ. जी. एस. तोमर, अध्यक्ष, विश्व आयुर्वेद मिशन द्वारा हरित योग एवं पर्यावरण विषय पर विस्तृत व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। उक्त अवसर पर उपस्थित प्रतिभागियों से आह्वान किया गया कि वे पर्यावरण की रक्षा के लिए विभिन्न छोटे-छोटे प्रभावी कदम यथा पौधे लगाना, कचरा प्रबन्धन में सहयोग देना तथा जल व ऊर्जा की बचत करना आदि को उठाने का प्रयास करें, जिससे पर्यावरण में सुधार लाया जा सके। कार्यक्रम में उपस्थित विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों के लिए पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज द्वारा संचालित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें युवा छात्रों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। प्रतियोगिता में विजेता प्रतिभागियों को प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं सांत्वना पुरस्कार क्रमशः रागिनी यादव-खेलगांव पब्लिक स्कूल, अनिकेत अग्रवाल-महर्षि पतंजलि विद्या मन्दिर, अंकुर मिश्रा-ऋषिकुल पतंजलि विद्या मन्दिर, अनमोल जायसवाल-टैगोर पब्लिक स्कूल, अभिजीत मिश्रा-श्री महाप्रभु पब्लिक स्कूल को दिया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन रश्मि मिश्रा द्वारा किया गया।कार्यक्रम में ई.आर.सी. की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर, आलोक यादव, डॉ. कुमुद दूबे, डॉ. अनुभा श्रीवास्तव, डॉ. एस. डी. शुक्ला, रतन गुप्ता, धर्मेन्द्र कुमार के साथ शोध अध्येता- सत्यव्रत सिंह, आदि उपस्थित रहे।

Clarion call to end plastic pollution on WED

Staff Reporter

Prayagraj: On the occasion of World Environment Day (WED), a one-day program on the topic "End of Plastic Pollution" was organized on 05.06.2025 under the joint aegis of National Science Academy, India and ICAR-Center for Ecological Restoration, Prayagraj. At the beginning of the program, Dr. Santosh Kumar Shukla, Executive Secretary, NASI, Prayagraj presented a welcome address while welcoming the officials on the stage. He told that India's oldest science academy is committed to environmental protection through various activities. More than 100 teachers and students from various schools of the city participated in the program. Chief Guest Dr. Sanjay Singh, Head, ERC said that plastic pollution is fatal for every part of the environment as well as human health. Plastic production, use and disposal causes serious environmental damage. Therefore, plastic pollution should be stopped by adopting a lifestyle of minimum use and cycle of reuse. In this sequence, he said that World Environment Day reminds us that the earth is our shared responsibility and its conservation is the guarantee of our future. In the program, as the keynote speaker from Banaras Hindu University, Dr. P.C. Abhilash said in his lecture on the program topic that due to excessive pressure on natural resources in the world, the pace of loss of our biodiversity has increased a lot. Therefore, conservation of biodiversity is very important. Prof. S.M. Prasad, retired Head of Department, Department of Botany, Allahabad University shared his views on plastic elimination and environmental conservation. This program was organized by NASI under Summer School, whose coordinator, Prof. Swapnil Srivastava gave detailed information about the program. In this sequence, Prof. Murali Manohar Verma of Lucknow University presented a lecture on the structure of the universe and its evaluation. Dr. G.S. Tomar, President, Vishwa Ayurveda Mission presented a detailed lecture on the subject of green yoga and environment. On the said occasion, the participants present were called upon to take various small and effective steps to protect the environment such as planting trees, helping in waste management and saving water and energy, etc., so that the environment can be improved. A quiz competition conducted by the Ecological Restoration Center, Prayagraj was organized for the students of various schools present in the program, in which young students participated enthusiastically. The first, second, third and consolation prizes were given to the winning participants in the competition, Ragini Yadav-Khelgaon Public School, Aniket Agarwal-Maharishi Patanjali Vidya Mandir, Ankur Mishra-Rishikul Patanjali Vidya Mandir, Anmol Jaiswal-Tagore Public School, Abhijeet Mishra-Shri Mahaprabhu Public School respectively. The program was successfully conducted by Rashmi Mishra. Senior Scientists of ERC Dr. Anita Tomar, Alok Yadav, Dr. Kumud Dubey, Dr. Anubha Shrivastava, Dr. S. D. Shukla, Ratan Gupta, Dharmendra Kumar along with research scholars - Satyavrat Singh, Pratik Singh and Pragati Yadav etc. were present.

'प्रदूषण पर लगाम लगाने के उपायों पर करें शोध'

आह्वान

प्रयागराज मुख्य संवाददाता। राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (नासी) में छात्र-छात्राओं के लिए दस दिवसीय समर स्कूल का उद्घाटन गुरुवार को हुआ।

मुख्य अतिथि भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद (आईसीएफआरई) के अध्यक्ष डॉ. संजय सिंह ने कहा कि युवा पीढ़ी की जिम्मेदारी है कि बढ़ते प्रदूषण पर लगाम लगाने के उपायों पर शोध करें और इसकी गति को धीमी करें अन्यथा आने

राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (नासी) में छात्र-छात्राओं के लिए दस दिवसीय समर स्कूल का शुभारंभ गुरुवार को हुआ।

वाले दिनों में जल, मृदा एवं वायु प्रदूषण अपने चरम पर होंगे। मुख्य वक्ता बीएचयू के डॉ. पीसी अभिलाष ने पर्यावरण असंतुलन पर चिंता व्यक्त की। अध्यक्षता कर रहे प्रो. एसएम प्रसाद ने कार्यशाला के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। लखनऊ विवि के प्रो. मुरली मनोहर वर्मा ने ब्रह्मांड की संरचना एवं विकास के संबंध में रोचक जानकारी दी। विश्व आयुर्वेद मिशन के अध्यक्ष डॉ. जीएस तोमर ने हरित योग पर विस्तार से बताया। पर्यावरण पर आधारित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजित की गई। अकादमी के कार्यकारी सचिव डॉ. संतोष कुमार शुक्ला ने अतिथियों का स्वागत किया। संचालन रश्मि, संयोजन प्रो. स्वप्निल श्रीवास्तव एवं धन्यवाद ज्ञापन नोडल समन्वयक संजय श्रीवास्तव ने किया।

विश्व पर्यावरण दिवस : पर्यावरण को बचाना है तो वृक्ष लगाना है

प्लास्टिक प्रदूषण के अन्त करने का किया आह्वान

विद्रोही सामना संवाददाता

प्रयागराज। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत एवं भा.वा.अ.शि.प.- पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज के संयुक्त तत्वावधान में 'प्लास्टिक प्रदूषण का अन्त' विषय पर एक दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के आरम्भ में डॉ. सन्तोष कुमार शुक्ला, कार्यकारी सचिव, नासी, प्रयागराज द्वारा मंचासीन अधिकारियों का अभिनन्दन करते हुए स्वागत भाषण प्रस्तुत किया गया। उन्होने बताया कि पर्यावरण संरक्षण के लिए भारतवर्ष की सबसे पुरानी विज्ञान अकादमी विभिन्न क्रियाकलापों के माध्यम से संकल्पित है। कार्यक्रम में नगर के विभिन्न विद्यालयों के 100 से अधिक शिक्षक एवं विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। मुख्य अतिथि डॉ. संजय सिंह, प्रमुख, ई.आर.सी. ने बताया कि प्लास्टिक प्रदूषण पर्यावरण के प्रत्येक हिस्से के साथ ही यह मानव स्वास्थ्य के लिए भी घातक है। प्लास्टिक उत्पादन, उपयोग एवं निस्तारण मंत गम्भीर पर्यावरणीय क्षति होती है। अतः प्लास्टिक प्रदूषण को, कम से कम उपयोग की जीवन शैली और पुनः उपयोग का चक्र अपना कर रोका जाना चाहिए। इसी क्रम में उन्होने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस हमें यह याद दिलाता है कि पृथ्वी हमारी साझा जिम्मेदारी है तथा इसका संरक्षण ही हमारे भविष्य की गारन्टी है।

कार्यक्रम में बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय से मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. पी. सी. अभिलाष ने कार्यक्रम विषय पर अपने व्याख्यान में कहा कि विश्व में प्राकृतिक संसाधनों पर अत्यधिक दबाव के कारण हमारी जैव विविधता के क्षति की गति बहुत

ज्यादा हो गई है। इसलिए जैव विविधता का संरक्षण बहुत आवश्यक है। प्रो. एस. एम. प्रसाद, सेवानिवृत्त विभागाध्यक्ष, वनस्पति विज्ञान विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय द्वारा प्लास्टिक उनमूलन तथा पर्यावरण संरक्षण पर अपने विचार साझा किये। यह कार्यक्रम नासी द्वारा समर स्कूल के अंतर्गत आयोजित किया गया, जिसके समन्वयक, प्रो. स्वप्निल श्रीवास्तव ने कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी दिया। इसी क्रम लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रो. मुरली मनोहर वर्मा द्वारा ब्रम्हांड की संरचना और उसका मूल्यांकन विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। डॉ. जी. एस. तोमर, अध्यक्ष, विश्व आयुर्वेद मिशन द्वारा हरित योग एवं पर्यावरण विषय पर विस्तृत व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। उक्त अवसर पर उपस्थित प्रतिभागियों से आह्वान किया गया कि वे पर्यावरण की रक्षा के लिए विभिन्न छोटे-छोटे प्रभावी कदम यथा पौधे लगाना, कचरा प्रबन्धन में सहयोग देना तथा जल व ऊर्जा की बचत करना आदि को उठाने का प्रयास करें, जिससे पर्यावरण में सुधार लाया जा सके। कार्यक्रम में उपस्थित विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों के लिए पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज द्वारा संचालित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें युवा छात्रों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। प्रतियोगिता में विजेता प्रतिभागियों को प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं सांत्वना पुरस्कार क्रमशः रागिनी यादव-खेलगांव पब्लिक स्कूल, अनिकेत अग्रवाल-महर्षि पतंजलि विद्या मन्दिर, अंकुर मिश्रा-ऋषिकुल पतंजलि विद्या मन्दिर, अनमोल जायसवाल-टैगोर पब्लिक स्कूल, अभिजीत मिश्रा-महाप्रभु पब्लिक स्कूल को दिया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन रश्मि मिश्रा द्वारा किया गया।कार्यक्रम में ई.आर.सी. की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर, आलोक यादव, डॉ. कुमुद दूबे, डॉ. अनुभा श्रीवास्तव, डॉ. एस. डी. शुक्ला, रतन गुप्ता, धर्मेन्द्र कुमार के साथ शोध अध्येता- सत्यव्रत सिंह, प्रतीक सिंह एवं प्रगति यादव आदि उपस्थित रहे।

विश्व पर्यावरण दिवस : पर्यावरण को बचाना है तो वृक्ष लगाना है

प्लास्टिक प्रदूषण के अन्त करने का किया आह्वान

प्रभात वंदना संवाददाता

प्रयागराज। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत एवं भा.वा.अ.शि.प.- पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज के संयुक्त तत्वावधान में 'प्लास्टिक प्रदूषण का अन्त' विषय पर एक दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के आरम्भ में डॉ. सन्तोष कुमार शुक्ला, कार्यकारी सचिव, नासी, प्रयागराज द्वारा मंचासीन अधिकारियों का अभिनन्दन करते हुए स्वागत भाषण प्रस्तुत किया गया। उन्होने बताया कि पर्यावरण संरक्षण के लिए भारतवर्ष की सबसे पुरानी विज्ञान अकादमी विभिन्न क्रियाकलापों के माध्यम से संकल्पित है। कार्यक्रम में नगर के विभिन्न विद्यालयों के 100 से अधिक शिक्षक एवं विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। मुख्य अतिथि डॉ. संजय सिंह, प्रमुख, ई.आर.सी. ने बताया कि प्लास्टिक प्रदूषण पर्यावरण के प्रत्येक हिस्से के साथ ही यह मानव स्वास्थ्य के लिए भी घातक है। प्लास्टिक उत्पादन, उपयोग एवं निस्तारण मंत गम्भीर पर्यावरणीय क्षति होती है। अतः प्लास्टिक प्रदूषण को, कम से कम उपयोग की जीवन शैली और पुनः उपयोग का चक्र अपना कर रोका जाना चाहिए। इसी क्रम में उन्होने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस हमें यह याद दिलाता है कि पृथ्वी हमारी साझा जिम्मेदारी है तथा इसका संरक्षण ही हमारे भविष्य की गारन्टी है।

कार्यक्रम में बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय से मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. पी. सी. अभिलाष ने कार्यक्रम विषय पर अपने व्याख्यान में कहा कि विश्व में प्राकृतिक संसाधनों पर अत्यधिक दबाव के कारण हमारी जैव विविधता के क्षति की गति बहुत

ज्यादा हो गई है। इसलिए जैव विविधता का संरक्षण बहुत आवश्यक है। प्रो. एस. एम. प्रसाद, सेवानिवृत्त विभागाध्यक्ष, वनस्पति विज्ञान विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय द्वारा प्लास्टिक उनमूलन तथा पर्यावरण संरक्षण पर अपने विचार साझा किये। यह कार्यक्रम नासी द्वारा समर स्कूल के अंतर्गत आयोजित किया गया, जिसके समन्वयक, प्रो. स्वप्निल श्रीवास्तव ने कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी दिया। इसी क्रम लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रो. मुरली मनोहर वर्मा द्वारा ब्रम्हांड की संरचना और उसका मूल्यांकन विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। डॉ. जी. एस. तोमर, अध्यक्ष, विश्व आयुर्वेद मिशन द्वारा हरित योग एवं पर्यावरण विषय पर विस्तृत व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। उक्त अवसर पर उपस्थित प्रतिभागियों से आह्वान किया गया कि वे पर्यावरण की रक्षा के लिए विभिन्न छोटे-छोटे प्रभावी कदम यथा पौधे लगाना, कचरा प्रबन्धन में सहयोग देना तथा जल व ऊर्जा की बचत करना आदि को उठाने का प्रयास करें, जिससे पर्यावरण में सुधार लाया जा सके। कार्यक्रम में उपस्थित विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों के लिए पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज द्वारा संचालित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें युवा छात्रों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। प्रतियोगिता में विजेता प्रतिभागियों को प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं सांत्वना पुरस्कार क्रमशः रागिनी यादव-खेलगांव पब्लिक स्कूल, अनिकेत अग्रवाल-महर्षि पतंजलि विद्या मन्दिर, अंकुर मिश्रा-ऋषिकुल पतंजलि विद्या मन्दिर, अनमोल जायसवाल-टैगोर पब्लिक स्कूल, अभिजीत मिश्रा-महाप्रभु पब्लिक स्कूल को दिया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन रश्मि मिश्रा द्वारा किया गया।कार्यक्रम में ई.आर.सी. की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर, आलोक यादव, डॉ. कुमुद दूबे, डॉ. अनुभा श्रीवास्तव, डॉ. एस. डी. शुक्ला, रतन गुप्ता, धर्मेन्द्र कुमार के साथ शोध अध्येता- सत्यव्रत सिंह, प्रतीक सिंह एवं प्रगति यादव आदि उपस्थित रहे।

विश्व पर्यावरण दिवस प्लास्टिक प्रदूषण के अन्त का आह्वान

प्रयागराज । विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत एवं भा.वा.अ.शि.प.– पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 05.06.2025 को ष्प्लास्टिक प्रदूषण का अन्तष् विषय पर एक दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के आरम्भ में डॉ. सन्तोष कुमार शुक्ला, कार्यकारी सचिव, नासी, प्रयागराज द्वारा मंचासीन अधिकारियों का अभिनन्दन करते हुए स्वागत भाषण प्रस्तुत किया गया। उन्होने बताया कि पर्यावरण संरक्षण के लिए भारतवर्ष की सबसे पुरानी विज्ञान अकादमी विभिन्न क्रियाकलापों के माध्यम से संकल्पित है। कार्यक्रम में नगर के विभिन्न विद्यालयों के 100 से अधिक शिक्षक एवं विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। मुख्य अतिथि डॉ. संजय सिंह, प्रमुख, ई.आर.सी. ने बताया कि प्लास्टिक प्रदूषण पर्यावरण के प्रत्येक हिस्से के साथ ही यह मानव स्वास्थ्य के लिए भी घातक है। प्लास्टिक उत्पादन, उपयोग एवं निस्तारण में

गम्भीर पर्यावरणीय क्षति होती है। अतः प्लास्टिक प्रदूषण को, कम से कम उपयोग की जीवन शैली और पुनः उपयोग का चक्र अपना कर रोका जाना चाहिए। इसी क्रम में उन्होने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस हमें यह याद दिलाता है कि पृथ्वी हमारी साझा जिम्मेदारी है तथा इसका संरक्षण ही हमारे भविष्य की गारन्टी है। कार्यक्रम में बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय से मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. पी. सी. अभिलाष ने कार्यक्रम विषय पर अपने व्याख्यान में कहा कि विश्व में प्राकृतिक संसाधनों पर अत्यधिक दबाव के कारण हमारी जैव विविधता के क्षति की गति बहुत ज्यादा हो गई है। इसलिए जैव विविधता का संरक्षण बहुत आवश्यक है। प्रो. एस. एम. प्रसाद, सेवानिवृत्त विभागाध्यक्ष, वनस्पति विज्ञान विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय द्वारा प्लास्टिक उनमूलन तथा पर्यावरण संरक्षण पर अपने विचार साझा किये। यह कार्यक्रम नासी द्वारा समर स्कूल के अंतर्गत आयोजित किया गया, जिसके समन्वयक, प्रो. स्वप्निल श्रीवास्तव ने कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी दिया। इसी क्रम लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रो. मुरली मनोहर वर्मा द्वारा ब्रम्हांड की संरचना और उसका मूल्यांकन विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। डॉ. जी. एस. तोमर, अध्यक्ष, विश्व आयुर्वेद मिशन द्वारा हरित योग एवं पर्यावरण विषय पर विस्तृत व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। उक्त अवसर पर उपस्थित प्रतिभागियों से आह्वान किया गया कि वे पर्यावरण की रक्षा के लिए विभिन्न छोटे–छोटे प्रभावी कदम यथा पौधे लगाना, कचरा प्रबन्धन में सहयोग देना तथा जल व ऊर्जा की बचत करना आदि को उठाने का प्रयास करें, जिससे पर्यावरण में सुधार लाया जा सके। कार्यक्रम में उपस्थित विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों के लिए पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज द्वारा संचालित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें युवा छात्रों ने बढ़–चढ़कर भाग लिया।

प्रतियोगिता में विजेता प्रतिभागियों को प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं सांत्वना पुरस्कार क्रमशः रागिनी यादव–खेलगांव पब्लिक स्कूल, अनिकेत अग्रवाल–महर्षि पतंजलि विद्या मन्दिर, अंकुर मिश्रा–ऋषिकुल पतंजलि विद्या मन्दिर, अनमोल जायसवाल–टैगोर पब्लिक स्कूल, अभिजीत मिश्रा महाप्रभु पब्लिक स्कूल को दिया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन रश्मि मिश्रा द्वारा किया गया।कार्यक्रम में ई.आर.सी. की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर, आलोक यादव, डॉ. कुमुद दूबे, डॉ. अनुभा श्रीवास्तव, डॉ. एस. डी. शुक्ला, रतन गुप्ता, धर्मेन्द्र कुमार के साथ शोध अध्येता– सत्यव्रत सिंह, प्रतीक सिंह एवं प्रगति यादव आदि उपस्थित रहे।